Topic : बाल गंगाधर तिलक Date :

Class : 23

बाल गंगाधर तिलक

→ 'भारत के बेताज बादशाह' तथा हिन्दू राष्ट्रवाद के पिता जैसी उपाधियों विभूषित बाल गंगाधर तिलक का जन्म महाराष्ट्र के रत्नागिरि जिले के चिकल नामक गांव में एक चितपावन ब्राह्मण परिवार में हुआ था।

पिता - गंगाधर तिलक
माता - पार्वती

- तिलक के बचपन का नाम 'केशव' था।
- लोगो को शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'पुना नवीन इंग्लिश विद्यालय की स्थापना की।
- एक राजनीतिक नेता के रूप में तिलक ने 'केसरी' मराठी भाषा में 1881 ई. मे बम्बई से तथा 'मराठा' अंग्रेजी भाषा मे 1882 ई. मे प्रकाशित किया।
- गंगाधर तिलक ने 1893 मे 'गणपति उत्सव' और 1895 में 'शिवाजी मेला' आरम्भ किए ताकि जनता में राष्ट्र सेवा की भावना जागे।
- 1897 में चापेकर बन्धुओं ने पुना के प्लेग कमिश्नरों की हत्या कर दी।

Topic :

Class :

Date :

- तिलक को भी इनकी हत्या के लिए प्रेरित करने के आरोप में 18 माह की सजा दी गई।

(Note) - तिलक 'भारत के प्रथम राजनैतिक कैदी' माने जाते हैं।

लाल, बाल, पाल - ने अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार एवं स्वदेशी अपनाने पर बल दिया तथा साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा पर भी बल दिया।

- उग्रवादी विचारधारा के समर्थक बाल गंगाधर तिलक ने राष्ट्रवाद की पहचान हिंदुत्व की भावना से की।

- स्वदेशी और बहिष्कार आंदोलन का प्रचार समूचे देश में का कार्य बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय, अरविंद घोष आदि ने किया।

- 1907 में उन्होंने विपिनचंद्र पाल और लाला लाजपतराय के साथ कांग्रेस के अंदर 'गरम दल' संगठित किया।

- 1908 मे भारतीय प्रेस अधिनियम मे कहा कि किसी अखबार में विद्रोह वाली सामग्री नही छप सकती।

Topic :

Class :

Date :

- तिलक ने अपने अखबार 'केसरी' मे उत्तेजक लेख लिखे। इसलिए उन्हे गिरफ्तार कर 6 वर्ष का कारावास दिया।

- तिलक 1908 से 1914 तक (6 वर्ष) बर्मा की मांडले जेल में कैद रहे। लेकिन जब 1914 में तिलक भारत लौटे तो वे उदारवादी हो गये उन्होंने एनी बीसेन्ट को अपना नेता मान लिया व होमरूल मूवमेंट में सक्रिय हो गये।

- 1916 में तिलक ने पूना में 'होमरूल लीग' का गठन किया।

- तिलक के चार क्षेत्र ① महाराष्ट्र
② मध्य भारत
③ कर्नाटक
④ बरार

- अंग्रेज पत्रकार वेलेंटाइन चिरोल उन्हें 'भारत में अशान्ति का जन्मदाता' माना है।

- 1916 लखनऊ अधिवेशन में तिलक ने हिन्दू नेताओं को समझाया जिससे मुस्लिम लीग से समझौता हुआ। उसे 'लखनऊ समझौता' कहते हैं।

- तिलक कभी भी कांग्रेस के अध्यक्ष नही बने।

Topic :

Date :

Class :

- मराठा, केशरी जैसी पत्रिकाओं के सम्पादन के साथ-साथ 'आर्टिक होम ऑफ द वेदाज', टिनेट्स ऑफ द न्यू पार्टी', और 'गीता रहस्य' उनकी प्रमुख पुस्तकें हैं।
- इन्हें आदर से 'लोकमान्य' कहा जाता हैं।
- इन्होंने भारत मे ब्रिटिश नियंत्रण से पूर्णतया मुक्त, 'पूर्ण स्वराज की स्थापना' की मांग की।
- तिलक ही प्रथम व्यक्ति थे जिन्होंने स्वराज की मांग स्पष्ट रूप से की।
- तिलक ने 'स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार हैं, मैं इसे लेकर रहूँगा' का नारा दिया।
- 1 अगस्त 1920 ई. में बंबई में तिलक की मृत्यु हो गई।
- उन्हें श्रृद्धांजलि देते हुए महात्मा गांधी ने उन्हें 'आधुनिक भारत का निर्माता' और 'भारतीय क्रांति के जनक' (नेहरूजी द्वारा कथित) की उपाधि दी।